

शङ्कराचार्य ने किया हिन्दू व्रत-पर्व निर्णय समिति का गठन

धर्म निर्णयालय से घोषित होनी पर्व की तिथि

परमार्थ शङ्कराचार्य
अविनुष्टेश्वरानन्द: जी
महाराज

केसरिया हिन्दुस्तान अखबार
संचालन भानु प्रताप राय



सं.2081 माघ कृष्ण दशमी तद्विसार दिनांक 24 जनवरी 2025 इस समय का एक अपना ही महत्व है। यह परमामाता का ही स्वरूप है इसके दो रूप नियम और जय बताए गए हैं। इनमें से नियम साक्षात् परमधर्माधीश उत्तरामाय ज्ञानविद्याधीश जानदूरु शङ्कराचार्य कर्मोपयोगी वर्ष-मासानि के रूप में

गिना जाने वाला समय जन्य कहा सरस्वती 1008 ने आज पर्व/तिथि गया है। यह जन्यकाल वत्सर, पक्ष और दिवस के रूप में छँड़ा के लिए काल विचार किया जाता है। हमारे पञ्चाङ्ग इस बारे में अनियन्त्रित करते हैं। आगे कहा कि हिन्दू समाज में अनेक सम्प्रदाय तियाल जो ने किया जाता है यह कार्य निरन्तर करती रहती है। आज विषय स्थापना श्री अनुसूया प्रसाद तियाल जो ने जिजेश पण्डिया जी, सुनील कुमार शुल्क, जी, डॉ. रैना जी, रावेन्द्र पाण्डित जी, हर्ष मिश्र, सूजिया जैन जी आदि ने विचार व्यक्त किए। प्रत्र धर्माधीश के रूप में श्री देवेन्द्र पाण्डेय जी ने संसद का संस्थान किया सदन का शुभाराम जयोत्सुक से डुगा। अन्त में परमामाय ने धर्मदेव जारी किया जिसे सभी ने दर्शन देते हुए कहा कि इस हेतु एक हिन्दू व्रत पर्व निर्णय

उन्होंने कहा कि कोई कोई कालविष्ठ ऐसे होते हैं जो बहुत ही लाभदायक होते हैं। इसलिए हमारे ज्ञानविद्याधीश जानदूरु शङ्कराचार्य ने शुभ कार्यों के सम्प्रदाय के ज्ञान को अनियन्त्रित करते हुए कहा है। उक्त वार्ते परमामाय उत्तरामाय लाभदायक होते हैं। इसलिए हमारे ज्ञानविद्याधीश जानदूरु शङ्कराचार्य अविनुष्टेश्वरानन्द अविनुष्टेश्वरानन्द के रूप में

खण्डों की खोज %मुहूर्त% आदि के रूप में की है। दूसरे और पितॄकर्म में उत्तरामाय का विचार कर अनुश्रूत करने के लिए काल विचार किया जाता है। हमारे पञ्चाङ्ग इस बारे में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। आगे कहा कि हिन्दू समाज में अनेक सम्प्रदाय तियाल जो ने किया जाता है यह कार्य निर्णयालय के माध्यम से करते हैं। आज विषय स्थापना श्री अनुसूया प्रसाद तियाल जो ने जिजेश पण्डिया जी, सुनील कुमार शुल्क, जी, डॉ. रैना जी, रावेन्द्र पाण्डित जी, हर्ष मिश्र, सूजिया जैन जी आदि ने विचार व्यक्त किए। प्रत्र धर्माधीश के रूप में श्री देवेन्द्र पाण्डेय जी ने संसद का संस्थान किया सदन का शुभाराम जयोत्सुक से डुगा। अन्त में परमामाय ने धर्मदेव जारी किया जिसे सभी ने दर्शन देते हुए कहा कि इस विचार का विवरण कर स्वागत किया।

भू अर्जन, पुनर्वासन और पुनःव्यवस्थापन पर सेमिनार की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता डीपी शुक्ला ने कहा पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र और सेमिनार आयोजित किया जाय।



भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रक्रिया को न्यायोचित और पारदर्शी बनाना।

डीपी शुक्ला ने कहा। उन्होंने कहा कि सिंगरौली जिले में विकास हेतु भूमि अर्जन अनेक परियोजनाओं के लिए किया जा रहा है। जिसमें पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र और सेमिनार आयोजित करने के लिए प्रशिक्षित करना।

2. सामाजिक समाचार अध्ययन

प्रभावित समुदायों के अधिकारों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण

सत्र और सेमिनार आयोजित करने के लिए उक्त प्रशिक्षण सेमिनार अन्यत

आवश्यक है।

3. अनियमितताओं और

भ्रष्टाचार पर रोकथाम भूमि अर्जन

प्रक्रियाओं में हो रही है।

4. अधिकारियों की

जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालना।

प्रधिकरणों के दायित्वों को सुदृढ़

करना और पूर्व कार्यवाहियों पर

प्रकाश डालना।

प्रक्रिया में सम्मिलित न्यायिक एवं

प्रशासनिक अधिकारियों को एक

मंच पर लातक भूमि अर्जन से जुड़े

मुद्दों पर चर्चा करना और सही

समाधान निकलना अन्यत

आवश्यक है।

यह है प्रमुख मांग

1. भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं

पुनःव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर

और पारदर्शिका का अधिकार

अधिनियम 2013 के अनुपालन पर

प्रशिक्षण जैसे उचित प्रतिकर,

पारदर्शी प्रक्रिया और पुनर्वासन

योजनाओं के सही कार्यविन्यास के

लिए प्रशिक्षित करना।

2. सामाजिक समाचार

अध्ययन प्रभावित समुदायों के

अधिकारों की रक्षा और प्रक्रिया में सुधार के

उद्देश्य से की जा रही है।

आयोजित का प्रसारित

उद्देश्य : इस सेमिनार का मुख्य

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और

पुनःव्यवस्थापन प्रक्रिया को

के संबंध में आम जनता को

प्रशिक्षित और पारदर्शी बनाना है।

3. सामाजिक समाचार

अध्ययन प्रभावित समुदायों के

अधिकारों की रक्षा और रक्षा

भ्रष्टाचार पर रोकथाम भूमि अर्जन

प्रक्रियाओं में हो रही है।

4. अधिकारियों की

जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालना।

प्रधिकरणों के दायित्वों को सुदृढ़

करना और पूर्व कार्यवाहियों पर

प्रकाश डालना।

जिसे जाने से आयोजित

करने के लिए जिजेश पण्डिया

के लिए एक विशेष प्रशिक्षण

सत्र और सेमिनार आयोजित करने के लिए उक्त प्रशिक्षण सेमिनार अन्यत

आवश्यक है।

यह है प्रमुख मांग

1. भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं

पुनःव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर

और पारदर्शिका का अधिकार

अधिनियम 2013 के अनुपालन पर

प्रशिक्षण जैसे उचित प्रतिकर,

पारदर्शी प्रक्रिया और पुनर्वासन

योजनाओं के सही कार्यविन्यास के

लिए प्रशिक्षित करना।

2. सामाजिक समाचार

अध्ययन प्रभावित समुदायों के

अधिकारों की रक्षा और रक्षा

भ्रष्टाचार पर रोकथाम भूमि अर्जन

प्रक्रियाओं में हो रही है।

3. सामाजिक समाचार

अध्ययन प्रभावित समुदायों के

अधिकारों की रक्षा और रक्षा

भ्रष्टाचार पर रोकथाम भूमि अर्जन

प्रक्रियाओं में हो रही है।

4. अधिकारियों की

जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालना।

प्रधिकरणों के दायित्वों को सुदृढ़

करना और पूर्व कार्यवाहियों पर

प्रकाश डालना।

जिसे जाने से आयोजित

सामूहिक महारुद्राभिषेक कोयलांचल क्षेत्र में होगा आयोजित

करौली शंकर महादेव धाम के भक्तों ने कर ली है आयोजन की सम्पूर्ण तैयारी

अनूपपुर जिला व्यूरो विकास कुमार की रिपोर्ट

राजनगर कॉलरी = बसंत पंचमी के अवसर पर करौली शंकर महादेवधाम के स्थानीय भक्तों के द्वारा सामूहिक महा रुद्राभिषेक राजनगर कॉलरी के राजनगर स्टेडियम में 2 फरवरी, दिन - रविवार को आयोजित किया जा रहा है।

है, इस महा रुद्राभिषेक में 101 परिवार / भक्तगण एवं साथ बैठकर अलग - अलग देवी और आसन के माध्यम से सामूहिक रुद्राभिषेक करेंगे। यह कार्यक्रम श्री करौली शंकर महादेवधाम का कानूनुर के स्थानीय शक्ति रैली जो कोयलांचल क्षेत्र के पौराणिक, राजनगर, सीमेंटर होते हुए राजनगर स्टेडियम कार्यक्रम के भक्तों के द्वारा किया जा रहा है।

मंदिर प्रग्राम से शिवलिंग को जल अर्पित कर आम नागरिकों सनातन प्रहरियों, एवं भक्तों के द्वारा बाइक एवं चार पहिया वाहन के माध्यम से सनातन जगरण रैली जो कोयलांचल क्षेत्र के पौराणिक, राजनगर, सीमेंटर होते हुए राजनगर स्टेडियम कार्यक्रम के भक्तों के द्वारा किया जा रहा है।

आवश्यक सामग्री कमेटी के द्वारा भक्तों को प्रियंका की जाएगी।

क

न्या भोजन का भी है

आयोजन:

रुद्राभिषेक के उपरांत

भक्तगण

भक्तगण